भारतीय विद्यालय डारसेट

हिंदी विभाग

पाठ: बड़े भाई साहब कायपत्रिका का तिथि: ----------

संसाधन व्यक्ति: श्रीमती बीना स्टिफन तिथि:----------

विद्यार्थी का नाम :---------- कक्षा : X ब

	प्रश्नोत्तर	
प्र1.	कथा नायक का रुचि किन कार्य में थी ?	
उ.1	कथानायक का रुचि कनकौए उड़ाने तितलियाँ का कागज़ ,उछालना कंकरियाँ ,बनाकर उड़ाने , तथा लेने आनंद का मोटरगाड़ी होकर सवार पर फाटक ,कूदने नीचे-ऊपर चढ़कर पर चारदीवारी । थी म खेलने बाहर मिलकर साथ के मित्रों	
प्र.2	बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल क्या पूछते थे ?	
उ.2	बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल पूछते थे – कहाँ थे ?	
प्र.3	दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई के व्यवहार म क्या परिवतन आया ?	
उ3.	दूसरी बार पास होने पर छोटा भाई स्वछंद हो गया ।उसका मनमानी और बढ़ गई और उसे अपनी तकदीर पर घमंड होने लगा कि वह चाहे पढ़े न पढ़े पास तो हो ही जाएगा। उसे कनकौए उड़ाने का नया शौक पैदा हो गया ।	
प्र4.	बड़े भाई साहब छोटे भाई से उम्र म कितने बड़े थे और वे कौन थे पढ़ते म कक्षा सी-?	
उ4.	बड़े भाई साहब छोटे भाई से उम्र म पाँच साल बड़े थे और वे नौवां कक्षा म पढ़ते थे ।	
प्र5.	बड़े भाई साहब दिमाग को आराम देने के लिए क्या करते थे ?	
उ5.	बड़े भाई साहब दिमाग को आराम देने के लिए कापी या किताब पर इधर बात का व्यथ का उधर- । थे डालते बना चित्र कोई या थे करते लिखा बार-बार	
	प्रश्नों के उत्तर)25-30 शब्दों म– लिखिए(	
प्र1.	छोटे भाई ने अपनी पढ़ाई का टाइम टेबिल-बनाते समय क्याउसका फिर और सोचा क्या- पालन क्यों नहीं कर पाया ?	
उ1.	छोटे भाई ने अपनी पढ़ाई का टाइम-दिन लगाकर मन वह से अब कि सोचा यह समय बनाते टेबिल- नहीं अवसर का डाँटने को साहब भाई बड़े एवं पढ़ेगा रात देगा ।पंरतु खेलकूद म गहरी रुचि तथा पुस्तकों म अरुचि होने के कारण वह इसका पालन न कर सका ।	
प्र2.	एक दिन गुल्ली उनका तो पहुचा सामने के भाई बड़े भाई छोटा बाद के खेलने डंडा- क्या प्रतिक्रिया हुई ?	
उ2.	एक दिन गुल्ली भाई बड़े भाई छोटा बाद के खेलने डंडा-के सामने पहुचा तो उस पर टूट पड़े। उसे घमंडी कहा और आगे को पढ़ाई का डर दिखाया । दादा को गाढ़ी कमाई को यूँ ही व्यथ जाने देना ठीक नहीं। गुल्ली। कहा को जाने चले वापस घर तो है खेलना ही डंडा-	
प्र3.	बड़े भाई साहब को अपने मन का इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थी ?	
उ3.	बड़े भाई साहब को अपने मन का इच्छाएँ इसलिए दबानी पड़ती थी क्योंकि वह अपने छोटे भाई को सही राह पर चलाना चाहते थे । यदि वे स्वयं ही गलत राह पर चलगे तो छोटे भाई के लिए आदश	

	नहीं बन पाएंगे ।यह कतव्य बोध उसके सिर पर था ।	
प्र4.	बड़े भाई साहब छोटे भाई को क्या सलाह देते थे और क्यों ?	
उ4.	बड़े भाई साहब छोटे भाई को घमंड न करने की सलाह देते थे और कहते थे कि उसे अपना अधिक समय पढ़ाई पर लगाना चाहिए और खेलकूद पर नहीं ।वे बड़े होने के कारण उसे राह पर चलाना अपना कतव्य समझते थे ।	
प्र5.	छोटे भाई ने बड़े भाई के नरम व्यवहार का क्या भरपूर फ़ायदा उठाया?	
उ5.	छोटे भाई ने बड़े भाई के नरम व्यवहार का भरपूर फ़ायदा उठाया। अब वह पहले से कुछ ज़्यादा ही स्वच्छंद हो गया । अधिकतम समय पतंगबाजी म ही बिताने लगा छोड़ बिलकुल लिखना-पढ़ना , अत दिया।: अपना अधिकतम समय कनकौए उड़ाने म बिताने लगा।	
	प्रश्नों के उत्तर 50)-- लिखिए(म शब्दों 60	
प्र1.	'बड़े भाई साहब' पाठ म लेखक ने समूची शिक्षा के किन तौरहै किया व्यंग्य पर तरीकों- ? क्या आप उनके विचार से सहमत ह ?	
उ1.	'बड़े भाई साहब' पाठ म लेखक ने तत्कालीन शिक्षा पद्धति पर व्यग्य करते हुए यह जताया हैं कि - । है जाते पढ़ाए म अंग्रेज़ी विषय सभी है। जाता दिया महत्व अधिक को अंग्रेज़ी म प्रणाली इस- है। जाता दिया ध्यान ज़्यादा पर लिखने इसम क्योंकि है नहीं व्यावहारिक प्रणाली यह- इस- शिक्षा प्रणाली म विषयों को अधिकता होने के कारण छात्रों को खेलकूद का समय नहीं मिलता । -इस शिक्षा प्रणाली म इतिहास पर बल दिया जाता है और बादशाहों के नाम याद करना आसान काम नहीं है । को सामग्री पाठ्य को छात्रों । है देती बढ़ावा को विधि सख्त प्रणाली यह-कंठस्थ रखना पड़ता है । स्वच्छंदता अपनी को बालकों म प्रणाली शिक्षा इस । ह सहमत पूणतया से विचारों इन के लेखक हम- । है आधारित ही पर ज्ञान पुस्तकोय कुछ सब क्योंकि है गई हो नष्ट	
प्र2.	बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है ?	
उ.2	बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ किताब पढ़ने से नहीं आतीदेखने दुनिया , से आती है ।इसलिए माँसमझ और ज्ञान अधिक भी लिखकर-पढ़ कम दादी-दादा ,बाप- रखते ह। वे घर ,खच- होते कुशल अधिक से लिखों-पढ़े म करने प्रबंध अन्य और बीमारी ह ।हेडमास्टर सुशिक्षित होने के बावजूद भी अव्यवस्थित थेका घर को माँ बूढ़ी उनको , सारा प्रबंध अपने हाथ म लेना पड़ा ।	
प्र3.	छोटे भाई के मन म बड़े भाई के प्रति श्रद्धा क्यों उत्पन्न हुई?	
उ3.	बड़े भाई साहब बार-डॉटते खूब उसे लिए के भलाई की भाई छोटे बावजूद के होने फ़ेल बार- । थे रहते फटकारतेबड़े भाई साहब ने बड़े प्रेम से समझाया कि जीवन को समझ केवल दरजा पास कर लेने से नहीं बल्कि अनुभव से आती है ।उन्होंने अपने दादा(पिता) माँ और हेडमास्टर साहब को अनपढ़ माँ का उदाहरण देकर स्पष्ट किया कि वे पढ़ेलिखे- नहीं थे परंतु दुनियादारी को अधिक समझ रखनेवाले थे ।बड़ा होने के कारण उन्ह पूरा अधिकार है कि वे अपने छोटे भाई का ध्यान रख और उसे बेराह न चलने द ।इन सब कारणों से छोटे भाई का मन अपने बड़े भाई साहब के प्रति श्रद्धा से भर गया ।	
	प्र4. बड़े भाई का स्वभावगत विशेषताएँ बताइए ? उ4. बड़े भाई साहब किताबों म सिर गड़ाए रखने को ही अध्ययनशील होना समझते थे।वे हर समय पढ़ते रहते थेका होने भाई बड़े । थे जाते न तक खेलने कभी कि तक यहाँ , कतव्य पूरी तन्मयता से निभाते थे और छोटे भाई का पूरा ध्यान रखते थे । वे लगती बात कहने और सूक्ति बाण चलाने म निपुण थे । छोटे भाई को हमेशा सलाह देते रहते थे कि खेलकूद म समय न गँवाकर पढ़ाई म ध्यान लगाए।वे बहुत अच्छे उपदेशक भी उन्ह अपने छोटे भाई को समझाना आता था ।	
प्र5.	बड़े भाई साहब ने ज़िंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान म से किसे और क्यों महत्त्वपूण कहा है ?	
	उ5. बड़े भाई साहब ने ज़िंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान म से ज़िंदगी के अनुभव को अधिक	

	महत्त्वपूण माना है।उनके अनुसारविकासित समझ सही का जीवन ही से अनुभव , होती है । उसी से जीवन के सारे महत्त्वपूण काम सधते ह ।बीमार होचलाना खच-घर , हो या घर के अन्य प्रबंध करने होलिखाई-पढ़ाई ,है आता काम अनुभव और उम्र इसम , नहीं । लेखक को अम्माँ हेडमास्टर और दादा , । नहीं लिखाई-पढ़ाई ,ह आते काम अनुभव और उम्र ।वहाँ ह सामने उदाहरण के माँ बूढ़ी को साहब	